विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 6, अंक 61 माह - जनवरी, 2024, मूल्य : निःशुल्क

पर्यावरण -
50,000 नीम के पेड़ लगाने का लक्ष्य

शिक्षा -
लीफी चेंजमेकर फ़ेलोशिप अभियान के तहत 230 बच्चे हो रहे शिक्षित

स्वरोजगार -
हथकरघा से प्रतिदिन महिलायें कमा रही 200-300 रूपए

ग्रामीण विकास -
गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ संस्कारो का केंद्र बना ग्राम मनेसिया स्कूल

सामाजिक सेवा -
जरुरतमंदो के लिए सहारा : नेकी की दीवार

उद्धघाटन-
एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान का उद्धघाटन

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

अर्चना रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

पर्यावरण

विचार समिति द्वारा नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ

ऐसे प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है : कपिल मलैया

नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के शुभारंभ पर पर्यावरण प्रेमी कार्यालय में उपस्थित हुए।

विचार समिति द्वारा नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ दिनांक 2 दिसंबर 2023 को विचार कार्यालय परिसर में किया गया। समिति द्वारा 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य रखा गया है जिसमें 22,500 पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं और पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को 10 नीम के पौधे दिए जायेंगे, इन पौधों का समयानुसार निरीक्षण किया जायेगा जिसमें जिसके पौधे सबसे ज्यादा विकास करेंगे उनको समिति द्वारा पुरस्कार भी दिया जायेगा।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि आक्सीजन की कमी हो रही है, बीमारियां बढ़ रही हैं, कई शहरों में तो पर्यावरण बहुत ज्यादा दूषित हो गया है। नीम का पेड़ बहुत मजबूत होता है लेकिन लगता बड़ी मुश्किल से है। एक बार तीन-चार फीट का हो गया तो फिर मरता नहीं है। उन्होंने बताया कि 10 पौधे एक व्यक्ति को दिए जायेंगे और उनकी जिम्मेदारी रहेगी ये पेड़ लगाना है और उनका रखरखाव करना है। दो माह बाद समिति उनका निरीक्षण करेगी। यदि पेड़ों को अच्छे से रखा है तो एक स्टील की प्लेट दी जाएगी जिसमें वृक्ष मित्र का नाम लिखा होगा। 10 पेड़ों को जमीन पर नहीं लगाना है इनको गमले या डिब्बे में लगाना है और इनको बड़ा होने दीजिए। छह माह बाद इनको जमीन पर लगाया जाएगा।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने नीम के पेड़ की जानकारी दी।

दो साल तक हर छह माह में समिति द्वारा सर्वे किया जाएगा जिसमें पेड़ की स्थिति की जांच होगी। इसी आधार पर जिनके सबसे अच्छे पेड़ हैं उनको 21 दिसंबर 2025 को सम्मान समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा। जिसमें प्रथम पुरस्कार फ्रिज, द्वितीय पुरस्कार टीवी, तृतीय पुरस्कार आटा चक्की, चतुर्थ पुरस्कार मिक्सी (25 संख्या), पंचम पुरस्कार मिलटन वाटल (50 संख्या), सांत्वना पुरस्कार लंच बाक्स (50 संख्या) रहेगा। हालाकि यह पुरस्कार बहुत छोटे हैं लेकिन ऐसे प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है।

मार्गदर्शक हरगोविंद विश्व ने नीम के फायदे बताते हुए कहा कि नीम का पेड़ बहुत गुणकारी है। इसकी पत्तियों, फल और छाल से तरह-तरह की दवाइयाँ बनती हैं। नीम की दातून दाँतों को स्वस्थ रखती है। सुबह उठकर नीम का सेवन करना चाहिए।

विचार समिति सदस्य हाकम सिंह लोधी ने बताया कि एक वृक्ष 10 पुत्र के समान है। इस पौधे को तैयार करने के लिए पहले देशी खाद से मिट्टी तैयार की फिर बीज डालने के बाद पानी दिया और तीन माह की देखरेख से यह पौधा दो फुट का तैयार हो गया।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, विनय मलैया, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैया, राजकुमार नामदेव, शफीक भाई ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर प्रीति मलैया, दीप्ति चंदेरिया, कौशल पहलवान, विनय जैन, नीलेश जैन, एड. रश्मि ऋतु जैन, अनीता जैन, क्षमा जैन, नवीन सोनकर, आलोक जैन, ममता अहिरवार, नीलू सागर, संगीता प्रजापति, अंजली पटैल, सुषमा पटैल, अरविंद जैन, अरूण सिंघई, ममता पटैल आदि उपस्थित थीं।

शिक्षा

स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत पढ़ रहे बच्चे - बढ़ रहे बच्चे

स्कूल चलें हम अभियान के तहत शिक्षा ग्रहण करते हुए बच्चे।

भारत का भविष्य और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य हम सबकी जिम्मेदारी है। हमारी आज की सबसे पहली बड़ी जिम्मेदारी बच्चों को शिक्षित करना है, उन्हें केवल किताबी ज्ञान नहीं वरन व्यवहारिक जीवन से जोड़ना है। आज शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे छोटी ही उम्र में स्कूल छोड़ रहे हैं। यह प्रतिशत कोरोना में और भी अधिक बढ़ा है। अब स्थिति यह है कि यह बच्चे या तो स्कूल ही नहीं जाते या उनका सीखने का स्तर बहुत कमजोर है। बच्चों को शिक्षित करने के लिए विचार समिति एवं लीफी संस्था तथा स्कूल चलें हम अभियान चलाया जा रहा है। शासकीय स्कूल में पढ़ा रही विचार समिति वालंटियर शिवानी पटेल कहती है मैं उन बच्चों को पढ़ा रही हूं जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया था या सीखने का स्तर बहुत ही कमजोर था। इसका एक बड़ा कारण कोरोना और दूसरा बड़ा कारण हमारी शिक्षा के प्रति गहरी उदासीनता। मैं शुरूआती दौर में ऐसे बच्चों के घर गई जिनके माता और पिता दोनों काम पर जाते हैं, समुचित देखभाल न होने के कारण बच्चे स्कूल नहीं आते। 30 बच्चों का सर्वे कर पढ़ाना शुरू किया था। अभी 19 बच्चे कक्षा में निरंतर रहते हैं। 5 महीने के प्रयासों में इन बच्चों का ज्ञानात्मक स्तर सुधरा है। केवल इतना ही काफी नहीं है हमें यह लंबे समय तक जारी रखने की जरूरत है। परियोजना सहयोगी अभिषेक मसीह कहते हैं समिति का उद्देश्य है कि बच्चों को उनकी सामाजिक, आर्थिक पृष्ठभूमि, क्षमताओं के बावजूद सामान शैक्षिक अवसर मिले। इसके लिए हम सभी बच्चों तक शिक्षा पहुंचे। ऐसे बच्चे जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया है, उन्हें स्कूल से जोड़ना, बच्चों को लगातार कक्षा में बनाए रखना के रूप में कार्य करते हैं। इसके लिए हम वॉलिंटियरों के साथ अन्य संस्थाओं के साथ काम कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि हम ऐसे सभी बच्चों को शिक्षित करें और अंतिम रूप से उन्हें स्कूलों में दाखिला दिलाए। सभी 2, 3, 4 ग्रेड के बच्चों की मिड लाइन असिस्मेंट परीक्षायें संपन्न पिछले माह हो चुकी है।

स्वरोजगार

हथकरघा से कपड़े बुनना सीखकर शहर की महिलाएं प्रतिदिन कमा रहीं 200-300 रूपये

विचार समिति ने स्थानीय स्तर पर महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए हथकरघा उद्योग स्थापित किया है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाएं कपड़ा तैयार कर रही है उससे उन्हें प्रशिक्षण की अवधि में आमदनी हो जाती है। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया का कहना है कि हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है कि स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर पैदा किए जाएं। भारत एक बड़ी आबादी वाला देश है। इसकी बड़ी आबादी सामान्य औसत आय के साथ जीवन व्यतीत कर रही है। उनके लिए अतिरिक्त आय के साधन ढूंढना, प्रशिक्षण देना, भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमें हमारे पारंपरिक लघु-उद्योगों को महत्व देना होगा। यह एक बड़ी आबादी को रोजगार मुहैया कराते हैं।

हथकरघा उद्योग से जुड़ी पिंकी पटेल कहती है कि मैंने कोरोना पूर्व समिति के हथकरघा प्रशिक्षण में हिस्सा लिया और उसके बाद हथकरघा से कपडे बना रही हूँ। यह काफी मेहनत भरा काम है, लगातार शारीरिक रूप से हथकरघा चलाना होता है। पूरी मशीन का मेंटेन बनाकर रखना, धागा अगर एक भी जगह टूटा है तो उसको पुनः जोड़ना, किसी भी तरह की डिजाइन में कोई कमी ना अ पाए। यह काफी मुश्किल भरा होता है। फिर भी हमारे लिए यह अच्छा रोजगार का साधन है। हम मासिक रूप से 6 से 9 हजार रुपए की कमाई कर पाते हैं।

रचना पटेल तिलकगंज निवासी हैं। हथकरघा का प्रशिक्षण लेकर अब कपड़ा बना रही है। अपना अनुभव बताते हुए कहती है मेरे लिए हथकरघा एक अतिरिक्त आय का साधन है। मैं घर पर ही रहती थी लेकिन प्रशिक्षण के बाद आमदनी भी हुई और पारिवारिक खर्च उठाने में काफी मदद मिली। घर के अलावा हम बाहरी दुनिया से जुड़ते हैं और जानते हैं।

समिति हथकरघा परिसंचालक भाग्यश्री राय कहती है हथकरघा का कपड़ा बनाने में काफी समय और लागत आती है। यह शुद्ध सूती के धागों से बनता है। जो बाजार में धागा महंगा होने और मेहनत अधिक होने से थोड़ा यह उत्पाद महंगा हो जाता है तो लोग खरीदने से बचते हैं लेकिन उन सभी के लिए मेरी सलाह है। यह वस्त्र शारीरिक रूप से उत्तम है। यह कपड़ा पॉलिस्टर रहित है, ना ही किसी भी प्रकार का रासानिक तत्व मिलाया जाता है। यह हर किसी को उपयोग करना चाहिए।

ग्रामीण विकास

ग्रामीण बच्चों को खेल-खेल में कविता, योग व गाना गाकर दी जा रही है शिक्षा

नितार्इ प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में बच्चे योग व रंगोली बनाते हुए।

समिति द्वारा संचालित नितार्इ प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में संचालित है। यह विद्यालय ग्रामीण अंचलों के बच्चों के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ संस्कारो का केंद्र है। स्कूल के कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से बच्चे सभी संस्कृतियों और समुदायों का सम्मान करना सीखेंगे, जिससे वे हमारी बढ़ती बहु-सांस्कृतिक दुनिया का हिस्सा बनने के लिए तैयार होंगे।

विद्यालय शिक्षण कार्यन्वयन की जानकारी देते हुए प्रिंसिपल साक्षी दांगी कहती हैं बच्चों को बहुत ही सरल भाषा में जानकारी दी जाती है। खेल-खेल में बच्चों को कठिन चीजों का ज्ञान दिया जाता है। प्रतिदिन एक नई पाठ्य प्रगाली के साथ बच्चों को नई चीजों, विषय-वस्तु से अवगत कराया जाता है, साप्ताहिक गतिविधियों से जोड़ा जाता है। छात्रों को देखभाल और स्वयं से सीखने के माहौल में पढ़ाया जाएगा। माता-पिता के साथ मैत्रीपूर्ण और रचनात्मक साझेदारी के माध्यम से उन्हें आगे बढ़ाया जाता है।

बच्चों को मजेदार कविताएं, अभिनय, गाना गाकर सिखाते है। विद्यालय में बच्चों की संख्या 40 है। नर्सरी से दूसरी तक के विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, कम्प्यूटर ईवीएस आदि विषयों पर अध्ययन करवाया जा रहा है। समय-समय पर पालकों की मीटिंग विद्यालय में होती है। जिसमें बच्चों के माता- पिता को प्रगति रिपोर्ट साझा की जाती है। साथ ही उनसे पूंछा जाता है कि बच्चों के व्यवहार में क्या वांछित परिवर्तन दिखाई देता है।

विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने जानकारी देते हुए कहा हमारा लक्ष्य बच्चों में ज्ञान और कौशल विकसित करना है ताकि वे अपने करियर के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें और देखभाल करने वाले और खुले दिमाग वाले नागरिक बन सकें। विद्यालय छात्र के व्यक्तित्व और क्षमता के पूर्ण संभव विकास के लिए उत्कृष्टता की निरंतर खोज है। शैक्षणिक, आध्यात्मिक, नैतिक, सामाजिक और भौतिक- प्रमुख प्रयास हैं।

सामाजिक सेवा

नेकी की दीवार : आपके पास अधिक है तो यहां पर छोड़ जायें और आपकी जरूरत का है तो यहां से ले जायें

विचार समिति ने तिलकगंज स्थित नेकी की दीवार में बच्चों को जूते व चप्पल वितरित किए।

एक कहावत है नेकी कर दरिया में डाल। लेकिन शहर में लोग नेकी को दरिया में नहीं दीवारों पर टांग रहे हैं। जी हां, विचार समिति एवं दिलीप सौरभ राधेलिया फाउंडेशन की ओर से मारूति शोरूम के पास, तिलकगंज एवं नमक मंडी कटरा बाजार के पास नेकी की दीवार बनाई गई है। जहां से कई जरूरतमंदों को मदद मिल रही है। इस दीवार पर स्लोगन दिया गया है, जो आपके पास अधिक है यहां छोड़ जायें, जो आपकी जरूरत का है यहां से ले जायें। 26 दिसंबर को विचार समिति ने अपनी तरफ से तिलकगंज और कटरा में नेकी की दीवार में जूते व चप्पल वितरित किए।

ऐसे बनी नेकी की दीवार - विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया के अनुसार समिति ने 2016 पर इसकी शुरूआत की थी। यहां पर जरूरतमंदों के लिए लोग कपड़े रखकर चले जाते हैं। इसी तरह जरूरत वाले लोग यहां से कपड़े ले जाते हैं। इन दीवारों को नेकी की दीवार कहा जाता है। उन्होंने कहा कि अगर आपके घर में पुराने पहनने, ओढ़ने, बिछाने के कपड़े, किताबें, खिलौना, बर्तन एवं दवाइयां, क्रॉकरी, फर्नीचर आदि जो भी है, जिसका आप प्रयोग नहीं कर रहे हैं और वह शहर के जरूरतमंदों के काम आ जाए। तो आप उक्त सामान को नेकी की दीवार को दे दीजिए। यहां से जरूरतमंद आकर खुद इन्हें ले जाएंगे।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया व सौरभ राधेलिया नमकमंडी में जरूरतमंद की मदद करते हुए।

सामान रखने के लिए यहां रैक बनाए गए हैं। यहां जरूरतमंद आकर अपनी जरूरत के हिसाब से सामान ले सकता है। नेकी की यह दीवार उन लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन व्यतीत कर रहे हैं। अपने स्वाभिमान के कारण किसी के सामने हाथ नहीं फैलाते। जरूरतमंद लोग यहां आकर अपनी जरूरत के हिसाब से चीजें ले सकते हैं।

दिलीप सौरभ राधेलिया फाउंडेशन के अध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि ठंड बढ़ चुकी है। कई असहायों को गर्म कपड़ों की जरूरत है। हमें कुछ कदम इस ओर बढ़ाने चाहिए, जिससे ठंड में जरुरतमंद लोगो की मदद हो सके। बहुत से बच्चों को हमसे उम्मीद है कि हम उन्हे खिलौने भी दे। उन्होंने बताया कि रोज़मर्रा की वस्तुएँ मोटरसाइकिलिंग क्लब सीआरएस के राइडर्स ने भी उपलब्ध कराई हैं।

क्लब के राइडर माणिक राज सुनरया ने समस्त नागरिको से अनुरोध किया कि नेकी की दीवार द्वारा असहाय लोगों की मदद के लिए आगे आये। जिनके पास भी अतिरिक्त कपडे, खिलौने, बैग, किताबें, जूते इत्यादि है, वो उसे साथ लाये, जिसे नेकी की दीवार पर सुपुर्द करने से पहले सुनिश्चित कर ले कि ये सभी चीज़े अच्छी हालत व उपयोग करने की स्थिति में हो।

राइडर अभय तिवारी ने बताया कि, "नेकी की दीवार पर नियुक्त स्टाफ इस बात को सुनिश्चित करते है कि इन वस्तुओं को जरूरतमंद लोगों के हाथ मे ही पहुँचे।

विचार समिति द्वारा सामान वितरित करने में समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मार्गदर्शक श्रीयांश जैन, शफीक खान, आकाश जैन, नरेश यादव, सरिता जैन, राहुल अहिरवार, डॉ. त्रिदिब गोस्वामी, एड. प्रवीण लोकरस, प्रखर चंदेरिया, रोहित साहू, अभिषेक सोनी, उदय राज मौर्य, अनिल मिश्रा, पूजा प्रजापति, आकांक्षा नामदेव, भाग्यश्री राय, उमा पटैल, ज्योति रैकवार, अरविंद अहिरवार, सोनू नामदेव आदि उपस्थित थे।

एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान द्वारा निःशुल्क कोचिंग के लिए नवीन स्थल का उद्घाटन

एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान के उद्घाटन अवसर पर एसडीएम सपना त्रिपाठी, विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने अपने विचार रखे।

एकनाथ स्मृति सेवा न्यास सागर द्वारा संचालित निःशुल्क कोचिंग एकनाथ स्मृति अनुशिक्षण संस्थान का नवीन स्थल उद्घाटन समारोह विचार समिति कार्यालय तिलकगंज में किया गया।

उद्घाटन समारोह में मुख्य वक्ता अपर कलेक्टर (एसडीएम) सपना त्रिपाठी ने छात्र - छात्राओं को सलाह दी कि पुस्तकों से पढ़ाई करें। सभी पुस्तकों को बार-बार पढ़कर मुख्य बिंदु पर हाईलाइट करें। न्यूजपेपर पढ़ना शुरू कर दे एवं रिवीजन करते रहे।

मुख्य अतिथि विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज एवं दुनिया में कोई भी अच्छा काम करना है तो पढ़ाई करना जरूरी है। शिक्षा मानव को अच्छा बनाने का काम करती है। आप सभी सौभाग्यशाली है कि आप सभी को सागर में यह सुविधाएं मिल रही, उनका सम्मान करें, सहयोग करें। शिक्षक आपको मार्गदर्शन देंगे पर पढ़ना तो आपको ही पड़ेगा।

युवा प्रणेता परम पूज्य स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा से कार्य करने वाले, राष्ट्र के प्रति समर्पण और अनुशासन की प्रतिमूर्ति आदरणीय एकनाथ रामकृष्ण रानाडे के नाम पर एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान की स्थापना 23 फरवरी 2022 को स्थापित की गई थी। संस्थान का लक्ष्य समाज के सभी वर्गों के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं यूपीएससी, एमपीएससी, एसएससी, बैंक, एमपीईएसबी, रेलवे इत्यादि विभिन्न भारतीय अभिकरणों द्वारा शासकीय सेवा में भर्ती हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क तैयारी करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया। प्रारंभिक तौर पर स्वाध्याय को प्रेरित करने के लिए पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तक एवं समाचार, पत्र-पत्रिकाएं आदि उपलब्ध कराए गए। विद्यार्थियों की रुचि एवं समर्पण को देखते हुए संस्थान ने कक्षाएं निरंतर नियमित रूप से प्रारंभ की। आज संस्थान चार सत्रों में संचालित हो रहा है, विद्यार्थियों के लिए संस्थान में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की कक्षायें, पुस्तकालय है। शैक्षणिक मूल्यांकन सत्र के दौरान नियमित क्लास टेस्ट साप्ताहिक, मौखिक टेस्ट, प्रश्नोत्तरी, दूरस्थ ऑनलाइन टेस्ट इसके साथ-साथ यादृच्छिक या रैंडम टेस्ट आयोजित किए जाते हैं। संस्थान ने एक अनोखी पहल प्रारंभ की है।

जिसमें विद्यार्थियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान बल्कि व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध हो सके इसके लिए नियमित तौर पर शैक्षणिक भ्रमण ऐतिहासिक, प्राकृतिक, प्रशासनिक, एकेडमिक, सांस्कृतिक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है ताकि विद्यार्थियों को वास्तविक ज्ञान से परिचित कराया जा सके। प्रतियोगी परीक्षाओं का अंतिम पढ़ाव साक्षात्कार होता है। विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए सांस्कृतिक एवं मानवीय मूल्यों के समावेशन के साथ सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर परिचय सत्र, वाद-विवाद सत्र व्याख्यान सत्र, भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं मौखिक प्रश्नोत्तरी आदि के माध्यम से साक्षात्कार की संपूर्ण तैयारी करायी जा रही है।

शुरूआत में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या दहाई अंक पर थी। आज यह संख्या 1500 विद्यार्थियों को पार कर रही हैं, हाल ही में एमपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा में 16 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। अन्य परीक्षाओं में चयनित विद्यार्थी विभिन्न विभागों में अपने कर्तव्यों का सफलतापूर्वक निर्वहन करने के लिए अग्रसर हो चुके हैं। राष्ट्र के लिए समर्पित होकर राष्ट्र को उन्नति की ओर ले जाने का कार्य करें। इन्हीं आदर्शों पर आज एकनाथ अनुशिक्षण संस्थान चल पड़ा और निरंतर अग्रसर है।

स्वदेशी के लिए शहीद होने वाले पहले भारतीय थे बाबू गेनू सैद

प्रथम स्वदेशी के लिए शहीद बाबू गेनू सैद को किया याद

स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में प्रथम स्वदेशी शहीद बाबू गेनू सैद की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर स्वावलंबी भारत अभियान प्रांत टोली सदस्य कपिल मलैया कहा कि बाबू गेनू स्वदेशी आंदोलन में शहीद होने वाले पहले व्यक्ति थे। उनका जन्म 1 जनवरी 1908 में हुआ था। वह एक मिल में काम करने वाले मजदूर थे। गरीब होते हुए भी उनमें देशभक्ति कूट-कूट कर भरी हुई थी। 12 जनवरी 1930 को उनको पता चला की विदेशी कपड़े से भरी गाड़ी मुंबई के बाजारों में जा रही है। उसे रोकने के लिए अपने साथियों के साथ गाड़ी के सामने आ गए, लेकिन एक अंग्रेज अफसर ने उनके सभी साथियों को एक तरफ कर दिया। जब बाबू गेनू गाड़ी के सामने आये तो अंग्रेज अफसर ने बाबू गेनू पर गाड़ी चढ़ा दी। बाबू गेनू ने स्वदेशी के लिए 22 वर्ष की आयु में अपनी जान की बाजी लगा दी थी। स्वदेशी जागरण मंच सहसयोंजक अंजली दुबे ने बताया कि सही मायनों में स्वराज तब आएगा जब हम स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करेंगे। युवा नवाचार के माध्यम से समाज के लिए सहायक हो सकता है। पढ़ाई के साथ-साथ समाज के लिए कुछ करने के जज़्बे से देश उन्नति के पद पर आगे बढ़ सकता है। जिला संयोजक राजकुमार नामदेव, रविन्द्र ठाकुर एवं सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मीडिया कवरेज

पर्यावरण • विचार समिति द्वारा 50 हजार नीम के पौधे रोपने का लक्ष्य, लोगों को देंगे

ऐसे प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है : कपिल मलैया

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति द्वारा नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ 2 दिसंबर को संस्था के कार्यालय परिसर में किया गया। समिति द्वारा 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य रखा गया है। समिति की ओर से 22,500 पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं और पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को 10 नीम के पौधे रोपने के लिए दिए जाएंगे। रोपे गए पौधों का समय समय पर निरीक्षण संस्था की ओर से किया जाएगा। जिसके पौधे सबसे अच्छी तरह बढ़कर विकसित होंगे। उनको समिति द्वारा पुरस्कार दिया जाएगा।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने इस मौके पर कहा कि आक्सीजन की कमी हो रही है, बीमारियां बढ़ रही हैं, कई शहरों में तो पर्यावरण बहुत ज्यादा दूषित हो गया है। नीम का पेड़ बहुत मजबूत होता है लेकिन लगता बड़ी मुश्किल से है। एक बार तीन-चार फीट का हो गया तो फिर मरता नहीं है। उन्होंने बताया कि 10 पौधे एक व्यक्ति को दिए जाएंगे। उनकी जिम्मेदारी इन पौधों को रोप कर रखरखाव करना है। दो माह बाद समिति उनका निरीक्षण करेगी। मलैया ने कहा कि यदि पौधों को अच्छे से रखा है तो एक स्टील की प्लेट दी जाएगी जिसमें वृक्ष मित्र का नाम लिखा होगा। 10 पौधों को जमीन पर नहीं लगाना है इनको गमले या डिब्बे में लगाना है और इनको बड़ा होने दीजिए। छह माह बाद थोड़ा बड़े होने पर इनको जमीन पर लगाया जाएगा। दो साल तक हर छह माह में समिति द्वारा सर्वे किया जाएगा जिसमें पेड़ की स्थिति की जांच होगी। उन्होंने कहा कि जिनके सबसे अच्छे पेड़ होंगे उनको 21 दिसंबर 2025 को सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। जिसमें प्रथम पुरस्कार फ्रिज, द्वितीय पुरस्कार टीवी, तृतीय पुरस्कार आटा चक्की, चतुर्थ पुरस्कार मिक्सी (25 संख्या), पंचम पुरस्कार मिल्टन वाटल (50 संख्या), सांत्वना पुरस्कार लंच बाक्स (50 संख्या) प्रदान किए जाएंगे। मलैया ने कहा कि हांलाकि यह पुरस्कार बहुत छोटे हैं लेकिन ऐसे प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है। मार्गदर्शक हरगोविंद विश्व ने नीम के फायदे बताते हुए कहा कि नीम का पेड़ बहुत गुणकारी है। इसकी पत्तियों, फल और छाल से तरह-तरह की दवाइयाँ बनती हैं। सुबह उठकर नीम का सेवन करना चाहिए। सदस्य हाकम सिंह लोधी ने बताया कि एक वृक्ष 10 पुत्र के समान है। इस पौधे को तैयार करने के लिए पहले देशी खाद से मिट्टी तैयार की फिर बीज डालने के बाद पानी दिया और तीन माह की देखरेख से यह पौधा दो फुट का तैयार हो गया। इस मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, विनय मलैया, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैया, राजकुमार नामदेव, शफीक भाई ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर प्रीति मलैया, दीप्ति चंदेरिया, कौशल पहलवान, विनय जैन, नीलेश जैन, एड. रश्मि ऋतु जैन, अनीता जैन, क्षमा जैन, नवीन सोनकर, आलोक जैन, ममता अहिरवार, नीलू सागर, संगीता प्रजापति, अंजली पटैल, सुषमा पटैल, अरविंद जैन आदि उपस्थित रहे।

अभियान विचार समिति ने लोगों को जागरूक करने शुरू किया अभियान

पर्यावरण बचाने 50 हजार नीम के पौधे लगाने का लक्ष्य

स्वदेश ज्योति संवाददाता, देवरीकलां

विचार समिति ने नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ 2 दिसंबर को कार्यालय परिसर में किया। समिति ने 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य रखा है। 22 हजार 500 पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं और पौधे तैयार किए जा रहे हैं।

समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया नीम का पौधा लगाने से व्यक्ति बीमारियों से दूर रहता है, उसे इन पौधों से आक्सीजन मिलती है। उन्होंने बताया 10 पौधे एक व्यक्ति को दिए जायेंगे और उनकी जिम्मेदारी रहेगी पेड़ लगाना है और उनका रखरखाव करना है। दो माह बाद समिति

उनका निरीक्षण करेगी। यदि पेड़ों को अच्छे से रखा है तो एक स्टील की प्लेट दी जाएगी जिसमें वृक्ष मित्र का नाम लिखा होगा। पेड़ जमीन पर नहीं गमले या डिब्बे में लगाना है। छह माह बाद पेड़ों को जमीन पर लगाया जाएगा। दो साल तक हर छह माह में समिति सर्वे करेगी, सर्वे के आधार पर जिनके सबसे अच्छे पेड़ होंगे है, उन्हें 21 दिसंबर 2025 को सम्मानित कर पुरस्कार दिए जाएंगे। उन्होंने कहा यह पुरस्कार छोटे हैं, लेकिन ऐसे प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है

» पौधों का रखरखाव करने वालों का सम्मान होगा

मार्गदर्शक हरगोविंद विश्व ने नीम के फायदे बताए। विचार समिति सदस्य हाकम सिंह लोधी ने बताया एक वृक्ष 10 पुत्र के समान है। पौधे को तैयार करने देशी खाद से मिट्टी तैयार कर बीज डालने के बाद पानी दिया और तीन माह में पौधा दो फुट का हो गया। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, विनय मलैया, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैया, राजकुमार नामदेव, शफीक भाई ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में प्रीति मलैया, दीप्ति चंदेरिया, कौशल पहलवान, विनय जैन, नीलेश जैन, एड. रश्मि ऋतु जैन, अनीता जैन, क्षमा जैन, नवीन सोनकर, आलोक जैन, ममता अहिरवार, नीलू सागर, संगीता प्रजापति, अंजली पटैल, सुषमा पटैल, अरविंद जैन, अरुण सिंघई, ममता पटैल आदि उपस्थित थीं।

मीडिया कवरेज

हमारा उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है: कपिल मलैया

विचार समिति द्वारा नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ

सागर, देशबन्धु। विचार समिति द्वारा नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ विचार कार्यालय परिसर में किया गया। समिति द्वारा 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य रखा गया है जिसमें 22,500 पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं और पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को 10 नीम के पौधे दिए जायेंगे, इन पौधों का समयानुसार निरीक्षण किया जायेगा जिसमे जिसके पौधे सबसे अच्छी तरह विकास करेंगे उनको समिति द्वारा पुरस्कार भी दिया जायेगा। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि आक्सीजन की कमी हो रही है, बीमारियां बढ़ रही हैं, कई शहरों में तो पर्यावरण बहुत ज्यादा दूषित हो गया है। नीम का पेड़ बहुत मजबूत होता है लेकिन लगता बड़ी मुश्किल से है। एक बार तीन-चार फीट का हो गया तो फिर मरता नहीं है। 10 पौधे एक व्यक्ति को दिए जायेंगे और उनकी जिम्मेदारी रहेगी ये पेड़ लगाना है और उनका रखरखाव करना है। दो माह बाद समिति उनका निरीक्षण करेगी। यदि पेड़ों को अच्छे से रखा है तो एक स्टील की प्लेट दी जाएगी जिसमें वृक्ष मित्र का नाम लिखा होगा। 10 पेड़ों को जमीन पर नहीं लगाना है इनको गमले या डिब्बे में लगाना है और इनको बड़ा होने दीजिए। छह माह बाद इनको जमीन पर लगाया जाएगा। दो साल तक हर छह माह में समिति द्वारा सर्वे किया जाएगा जिसमें पेड़ की स्थिति की जांच होगी। इसी आधार पर जिनके सबसे अच्छे पेड़ हैं उनको 21 दिसंबर 2025 को सम्मान समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा। जिसमें प्रथम पुरस्कार फ्रिज, द्वितीय पुरस्कार टीवी, तृतीय पुरस्कार आटा चक्की, चातुर्थ पुरस्कार मिक्सी 25 संख्या, पंचम पुरस्कार मिल्टन बाटल 50 संख्या, सांत्वना पुरस्कार लंच बाक्स 50 संख्या रहेगा। हालांकि यह पुरस्कार बहुत छोटे हैं लेकिन ऐसे प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, विनय मलैया, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैया, राजकुमार नामदेव, शफीक भाई ने भी अपने विचार रखे।

दैनिक भास्कर सागर 27-12-2023

नेकी की दीवार : आपके पास अधिक है तो यहां पर छोड़ जाएं और आपकी जरूरत का है तो यहां से ले जाएं

भास्कर संवाददाता | सागर

एक कहावत है नेकी कर दरिया में डाल। लेकिन शहर के लोग नेकी को दरिया में नहीं दीवारों पर टांग रहे हैं। जी हां, विचार समिति एवं दिलीप सौरभ रांधेलिया फाउंडेशन की ओर से मारुति शोरूम के पास, तिलकगंज एवं नमक मंडी कटरा बाजार के पास नेकी की दीवार बनाई गई है। जहां से कई जरूरतमंदों को मदद मिल रही है। इस दीवार पर स्लोगन दिया गया है, जो आपके पास अधिक है यहां छोड़ जायें, जो आपकी जरूरत का है यहां से ले जायें। मंगलवार को विचार समिति ने अपनी तरफ से तिलकगंज और कटरा में नेकी की दीवार में जूते व चप्पल वितरित किए।

विचार समिति ने 2016 में की थी शुरूआत : मलैया

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि समिति ने 2016 में इसकी शुरूआत की थी। यहां पर जरूरतमंदों के लिए लोग कपड़े रखकर चले जाते हैं। इसी तरह जरूरत वाले लोग यहां से कपड़े ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर आपके घर में पुराने पहनने, ओढ़ने, बिछाने के कपड़े, किताबें, खिलौना, बर्तन एवं दवाइयां, क्रॉकरी, फर्नीचर आदि जो भी है, जिसका आप प्रयोग नहीं कर रहे हैं और वह शहर के जरूरतमंदों के काम आ सके। इसके लिए आप उक्त सामान को नेकी की दीवार को दे दीजिए। यहां से जरूरतमंद आकर खुद इन्हें ले जाएंगे। सामान रखने के लिए यहां रैक बनाए गए हैं। यहां जरूरतमंद आकर अपनी जरूरत के हिसाब से सामान ले सकता है।

सौरभ रांधेलिया ने बताया कि ठंड बढ़ चुकी है। कई असहायों को गर्म कपड़ों की जरूरत है। हमें कुछ कदम इस ओर बढ़ाने चाहिए, जिससे ठंड में जरूरतमंद लोगों की मदद हो सके। बहुत से बच्चों को हमसे उम्मीद है कि हम उन्हे खिलौने भी दें। क्लब के राइडर माणिक राज सुनरया ने समस्त नागरिकों से अनुरोध किया कि नेकी की दीवार द्वारा असहाय लोगों की मदद के लिए आगे आये। विचार समिति द्वारा सामान वितरित करने में समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मार्गदर्शक श्रीयांश जैन, शफीक खान, आकाश जैन, नरेश यादव, सरिता जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, आकांक्षा नामदेव, भाग्यश्री राय, उमा पटैल, ज्योति रैकवार, अरविंद अहिरवार, सोनू नामदेव आदि सहयोग दिया।

नेकी की दीवार : आपके पास अधिक है तो यहां पर छोड़ जायें और आपकी जरूरत का है तो यहां से ले जायें

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। एक कहावत है नेकी कर दरिया में डाल। लेकिन शहर में लोग नेकी को दरिया में नहीं दीवारों पर टांग रहे हैं। जी हां, विचार समिति एवं दिलीप सौरभ रांधेलिया फाउंडेशन की ओर से मारुति शोरूम के पास, तिलकगंज एवं नमक मंडी कटरा बाजार के पास नेकी की दीवार बनाई गई है। जहां से कई जरूरतमंदों को मदद मिल रही है। इस दीवार पर स्लोगन दिया गया है, जो आपके पास अधिक है यहां छोड़ जायें, जो आपकी जरूरत का है यहां से ले जायें। आज विचार समिति ने अपनी तरफ से तिलकगंज और कटरा में नेकी की दीवार में जूते व चप्पल वितरित किए।

ऐसे बनी नेकी की दीवार

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया के अनुसार समिति ने 2016 पर इसकी शुरूआत की थी। यहां पर जरूरतमंदों के लिए लोग कपड़े रखकर चले जाते हैं। इसी तरह जरूरत वाले लोग यहां से कपड़े ले जाते हैं। इन दीवारों को नेकी की दीवार कहा जाता है। उन्होंने कहा कि अगर आपके घर में पुराने पहनने, ओढ़ने, बिछाने के कपड़े, किताबें, खिलौना, बर्तन एवं दवाइयां, क्रॉकरी, फर्नीचर आदि जो भी है, जिसका आप प्रयोग नहीं कर रहे हैं और वह शहर के जरूरतमंदों के काम आ जाए। तो आप उक्त सामान को नेकी की दीवार को दे दीजिए। यहां से जरूरतमंद आकर खुद इन्हें ले जाएंगे। सामान रखने के लिए यहां रैक बनाए गए हैं। यहां जरूरतमंद आकर अपनी जरूरत के हिसाब से सामान ले सकता है। नेकी की यह दीवार उन लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन व्यतीत कर रहे हैं। अपने स्वाभिमान के कारण किसी के सामने हाथ नहीं फैलाते। जरूरतमंद लोग यहां आकर अपनी जरूरत के हिसाब से चीजें ले सकते हैं।

दिलीप सौरभ रांधेलिया फाउंडेशन के अध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि ठंड बढ़ चुकी है। कई असहायों को गर्म कपड़ों की जरूरत है। हमें कुछ कदम इस ओर बढ़ाने चाहिए, जिससे ठंड में जरूरतमंद लोगों की मदद हो सके। बहुत से बच्चों को हमसे उम्मीद है कि हम उन्हे खिलौने भी दें। उन्होंने बताया कि रोजमर्रा की वस्तुएँ मोटरसाइकिलिंग क्लब सीआरएस के राइडर्स ने भी उपलब्ध कराई हैं। क्लब के राइडर माणिक राज सुनरया ने समस्त नागरिकों से अनुरोध किया कि नेकी की दीवार द्वारा असहाय लोगों की मदद के लिए आगे आये। जिनके पास भी अतिरिक्त कपड़े, खिलौने, बैग, किताबें, जूते इत्यादि है, वो उसे साथ लाये, जिसे नेकी की दीवार पर सुपुर्द करने से पहले सुनिश्चित कर ले कि ये सभी चीजें अच्छी हालत व उपयोग करने की स्थिति में हों। विचार समिति द्वारा सामान वितरित करने में समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मार्गदर्शक श्रीयांश जैन, शफीक खान, आकाश जैन, नरेश यादव, सरिता जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, आकांक्षा नामदेव, भाग्यश्री राय, उमा पटैल, ज्योति रैकवार, अरविंद अहिरवार, सोनू नामदेव आदि उपस्थित थे।

विचार समिति द्वारा नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ किया गया

ऐसे प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है : कपिल मलैया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

विचार समिति द्वारा नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ आज विचार कार्यालय परिसर में किया गया। समिति द्वारा 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य रखा गया है जिसमें 22,500 पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं और पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को 10 नीम के पौधे दिए जायेंगे, इन पौधों का समयानुसार निरिक्षण किया जायेगा जिसमे जिसके पौधे सबसे अच्छी तरह विकास करेंगे उनको समिति द्वारा पुरस्कार भी दिया जायेगा।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि आक्सीजन की कमी हो रही है, बीमारियां बढ़ रही हैं, कई शहरों में तो पर्यावरण बहुत ज्यादा दूषित हो गया है। नीम का पेड़ बहुत मजबूत होता है लेकिन लगता बड़ी मुश्किल से है। एक बार तीन-चार फीट का हो गया तो फिर मरता नहीं है। उन्होंने बताया कि 10 पौधे एक व्यक्ति को दिए जायेंगे और उनकी जिम्मेदारी रहेगी ये पेड़ लगाना है और उनका रखरखाव करना है। दो माह बाद समिति उनका निरीक्षण करेगी। यदि पेड़ों को अच्छे से रखा है तो एक स्टील की प्लेट दी जाएगी जिसमें वृक्ष मित्र का नाम लिखा होगा। 10 पेड़ों को जमीन पर नहीं लगाना है इनको गमले या डिब्बे में लगाना है और इनको बड़ा होने दीजिए। छह माह बाद इनको जमीन पर लगाया जाएगा। दो साल तक हर छह माह में समिति द्वारा सर्वे किया जाएगा जिसमें पेड़ की स्थिति की जांच होगी। इसी आधार पर जिनके सबसे अच्छे पेड़ हैं उनको 21 दिसंबर 2025 को सम्मान समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा। जिसमें प्रथम पुरस्कार फ्रिज, द्वितीय पुरस्कार टीवी, तृतीय पुरस्कार आटा चक्की, चतुर्थ पुरस्कार मिक्सी (25 संख्या), पंचम पुरस्कार मिलटन बाटल (50 संख्या), सांत्वना पुरस्कार लंच बाक्स (50 संख्या) रहेगा। हालांकि यह पुरस्कार बहुत छोटे हैं लेकिन ऐसे प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है।

मार्गदर्शक हरगोविंद विश्व ने नीम के फायदे बताते हुए कहा कि नीम का पेड़ बहुत गुणकारी है। इसकी पत्तियों, फल और छाल से तरह-तरह की दवाइयाँ बनती हैं। नीम की दातून दाँतों को स्वस्थ रखती है। सुबह उठकर नीम का सेवन करना चाहिए।

विचार समिति सदस्य हाकम सिंह लोधी ने बताया कि एक वृक्ष 10 पुत्र के समान है। इस पौधे को तैयार करने के लिए पहले देशी खाद से मिट्टी तैयार की फिर बीज डालने के बाद पानी दिया और तीन माह की देखरेख से यह पौधा दो फुट का तैयार हो गया।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, विनय मलैया, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैया, राजकुमार नामदेव, शफीक भाई ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर प्रीति मलैया, दीप्ति चंदेरिया, कौशल पहलवान, विनय जैन, नीलेश जैन, एड. रश्मि ऋतु जैन, अनीता जैन, क्षमा जैन, नवीन सोनकर, आलोक जैन, ममता अहिरवार, नीलू आदि उपस्थित थीं।

नेकी की दीवार: आपके पास अधिक है तो यहां पर छोड़ जायें और आपकी जरूरत का है तो यहां से ले जायें

आचरण संवाददाता

सागर। एक कहावत है नेकी कर दरिया में डाल। लेकिन शहर में लोग नेकी को दरिया में नहीं दीवारों पर टांग रहे हैं। जी हां, विचार समिति एवं दिलीप सौरभ रांधेलिया फाउंडेशन की ओर से मारुति शोरूम के पास, तिलकगंज एवं नमक मंडी कटरा बाजार के पास नेकी की दीवार बनाई गई है। जहां से कई जरूरतमंदों को मदद मिल रही है। इस दीवार पर स्लोगन दिया गया है, जो आपके पास अधिक है यहां छोड़ जायें, जो आपकी जरूरत का है यहां से ले जायें। आज विचार समिति ने अपनी तरफ से तिलकगंज और कटरा में नेकी की दीवार में जूते व चप्पल वितरित किए।

ऐसे बनी नेकी की दीवार - विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया के अनुसार समिति ने 2016 पर इसकी शुरूआत की थी। यहां पर जरूरतमंदों के लिए लोग कपड़े रखकर चले जाते हैं। इसी तरह जरूरत वाले लोग यहां से कपड़े ले जाते हैं। इन दीवारों को नेकी की दीवार कहा जाता है। उन्होंने कहा कि अगर आपके घर में पुराने पहनने, ओढ़ने, बिछाने के कपड़े, किताबें, खिलौना, बर्तन एवं दवाइयां, क्रॉकरी, फर्नीचर आदि जो भी है, जिसका आप प्रयोग नहीं कर रहे हैं और वह शहर के जरूरतमंदों के काम आ जाए। तो आप उक्त सामान को नेकी की दीवार को दे दीजिए। यहां से जरूरतमंद आकर खुद इन्हें ले जाएंगे। सामान रखने के लिए यहां रैक बनाए गए हैं। यहां जरूरतमंद आकर अपनी जरूरत के हिसाब से सामान ले सकता है। नेकी की यह दीवार उन लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन व्यतीत कर रहे हैं। अपने स्वाभिमान के कारण किसी के सामने हाथ नहीं फैलाते। जरूरतमंद लोग यहां आकर अपनी जरूरत के हिसाब से चीजें ले सकते हैं। दिलीप सौरभ रांधेलिया फाउंडेशन के अध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि ठंड बढ़ चुकी है। कई असहायों को गर्म कपड़ों की जरूरत है। हमें कुछ कदम इस ओर बढ़ाने चाहिए, जिससे ठंड में जरूरतमंद लोगो की मदद हो सके। बहुत से बच्चों को हमसे उम्मीद है कि हम उन्हे खिलौने भी दें। उन्होंने बताया कि रोजमर्रा की वस्तुएँ मोटरसाइकिलिंग क्लब सीआरएस के राइडर्स ने भी उपलब्ध कराई है। क्लब के राइडर माणिक राज सुनरया ने समस्त नागरिको से अनुरोध किया कि नेकी की दीवार द्वारा असहाय लोगों की मदद के लिए आगे आये। जिनके पास भी अतिरिक्त कपड़े, खिलौने, बैग, किताबें, जूते इत्यादि है, वो उसे साथ लाये, जिसे नेकी की दीवार पर सुपुर्द करने से पहले सुनिश्चित कर ले कि ये सभी चीजें अच्छी हालत व उपयोग करने की स्थिति में हों। विचार समिति द्वारा सामान वितरित करने में समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मार्गदर्शक श्रीयांश जैन, शफीक खान, आकाश जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, आकांक्षा नामदेव, भाग्यश्री राय, उमा पटैल, ज्योति रैकवार, अरविंद अहिरवार, सोनू नामदेव आदि उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

आग्रह असहाय और गरीबों की मदद के लिए लोग आगे आएं

नेकी की दीवारः अधिक सामान छोड़ जाएं, जरूरत का ले जाएं

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

शहर में लोग नेकी को दरिया में नहीं दीवारों पर टांग रहे हैं। जी हां, विचार समिति एवं दिलीप सौरभ राथेलिया फाउंडेशन की ओर से मारुति शोरूम के पास ,तिलकगंज एवं नमक मंडी कटरा बाजार के पास नेकी की दीवार बनाई गई है। जहां से जरूरतमंदों को मदद मिल रही है। दीवार पर स्लोगन दिया गया है, जो आपके पास अधिक है यहां छोड़ जायें, जो आपकी जरूरत का है यहां से ले जायें।

मंगलवार को विचार समिति ने तिलकगंज और कटरा में नेकी की दीवार में जूते व चप्पल वितरित किए। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया इसकी शुरूआत वर्ष 2016 की थी। उन्होंने कहा आपके घर में पुराने पहनने, ओढ़ने, बिछाने के कपड़े, किताबें, खिलौना, बर्तन एवं दवाइयां जो भी है, जिसका आप प्रयोग नहीं कर रहे, वह शहर के जरूरतमंदों के काम आ जाए।तो आप उस सामान को नेकी की दीवार को दे दीजिए। यहां से जरूरतमंद आकर खुद इन्हें ले जाएंगे। सामान रखने के लिए रैक बनाए गए हैं।

दिलीप सौरभ राथेलिया फाउंडेशन के अध्यक्ष सौरभ रांथेलिया ने बताया ठंड में कई असहायों लोगों को गर्म कपड़ों की जरूरत है। हमें कुछ कदम इस ओर बढ़ाने चाहिए, जिससे ठंड में जरूरतमंद लोगों की मदद हो सके।

क्लब के राइडर माणिक राज सुनरया ने नागरिकों से अनुरोध किया,नेकी की दीवार द्वारा असहाय लोगों की मदद के लिए आगे आये। सामान वितरित करने में समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, श्रीयांश जैन, शफीक खान, आकाश जैन, नरेश यादव, सरिता जैन, राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति, आकांक्षा नामदेव, भाग्यश्री राय, उमा पटैल, ज्योति रैकवार, अरविंद अहिरवार, सोनू नामदेव आदि उपस्थित थे।

अभियान विचार समिति ने लोगों को जागरूक करने शुरू किया अभियान

पर्यावरण बचाने 50 हजार नीम के पौधे लगाने का लक्ष्य

स्वदेश ज्योति संवाददाता, देवरीकलाँ

विचार समिति ने नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ 2 दिसंबर को कार्यालय परिसर में किया। समिति ने 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य रखा है। 22 हजार 500 पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं और पौधे तैयार किए जा रहे हैं।

समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया नीम का पौधा लगाने से व्यक्ति बीमारियों से दूर रहता है, उसे इन पौधों से आक्सीजन मिलती है। उन्होंने बताया 10 पौधे एक व्यक्ति को दिए जायेंगे और उनकी जिम्मेदारी रहेगी पेड़ लगाना है और उनका रखरखाव करना है। दो माह बाद समिति उनका निरीक्षण करेगी। यदि पेड़ों को अच्छे से रखा है तो एक स्टील की प्लेट दी जाएगी जिसमें वृक्ष मित्र का नाम लिखा होगा। पेड़ जमीन पर नहीं गमले या डिब्बे में लगाना है। छह माह बाद पेड़ों को जमीन पर लगाया जाएगा। दो साल तक हर छह माह में समिति सर्वे करेगी, सर्वे के आधार पर जिनके सबसे अच्छे पेड़ होंगे हैं, उन्हें 21 दिसंबर 2025 को सम्मानित कर पुरस्कार दिए जाएंगे। उन्होंने कहा यह पुरस्कार छोटे हैं, लेकिन ऐसे प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है

» पौधों का रखरखाव करने वालों का सम्मान होगा

मार्गदर्शक हरगोविंद विश्व ने नीम के फायदे बताए। विचार समिति सदस्य हाकम सिंह लोधी ने बताया एक वृक्ष 10 पुत्र के समान है। पौधे को तैयार करने देशी खाद से मिट्टी तैयार कर बीज डालने के बाद पानी दिया और तीन माह में पौधा दो फुट का हो गया। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, विनय मलैया, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैया, राजकुमार नामदेव, शफीक भाई ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम मे प्रीति मलैया, दीप्ति चंदेरिया, कौशल पहलवान, विनय जैन, नीलेश जैन, एड. रश्मि ऋतु जैन, अनीता जैन, क्षमा जैन, नवीन सोनकर, आलोक जैन, ममता अहिरवार, नीलू सागर, संगीता प्रजापति, अंजली पटैल, सुषमा पटैल, अरविंद जैन, अरूण सिंघई, ममता पटैल आदि उपस्थित थीं।

नेकी की दीवार से कई जरूरतमंदों को मिल रही मदद

सागर। एक कहावत है नेकी कर दरिया में डाल। लेकिन शहर में लोग नेकी को दरिया में नहीं दीवारों पर टांग रहे हैं। जी हां, विचार समिति एवं दिलीप सौरभ राथेलिया फाउंडेशन की ओर से मारुति शोरूम के पास, तिलकगंज एवं नमक मंडी कटरा बाजार के पास नेकी की दीवार बनाई गई है। जहां से कई जरूरतमंदों को मदद मिल रही है। इस दीवार पर स्लोगन दिया गया है, जो आपके पास अधिक है यहां छोड़ जायें, जो आपकी जरूरत का है यहां से ले जायें। आज विचार समिति ने अपनी तरफ से तिलकगंज और कटरा में नेकी की दीवार में जूते व चप्पल वितरित किए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया के अनुसार समिति ने 2016 पर इसकी शुरुआत की थी। यहां पर जरूरतमंदों के लिए लोग कपड़े रखकर चले जाते हैं। इसी तरह जरूरत वाले लोग यहां से कपड़े ले जाते हैं। इन दीवारों को नेकी की दीवार कहा जाता है।

प्रोजेक्ट का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है : मलैया

विचार समिति द्वारा नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ

सागर। विचार समिति द्वारा नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान का शुभारंभ 2 दिसंबर 2023 को विचार कार्यालय परिसर में किया गया। समिति द्वारा 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य रखा गया है जिसमें 22,500 पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं और पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को 10 नीम के पौधे दिए जायेंगे, इन पौधों का समयानुसार निरीक्षण किया जायेगा जिसमे जिसके पौधे सबसे अच्छी तरह विकास करेंगे उनको समिति द्वारा पुरस्कार भी दिया जायेगा ।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि आक्सीजन की कमी हो रही है, बीमारियां बढ़ रही हैं, कई शहरों में तो पर्यावरण बहुत ज्यादा दूषित हो गया है। नीम का पेड़ बहुत मजबूत होता है लेकिन लगता बड़ी मुश्किल से है। एक बार तीन-चार फीट का हो गया तो फिर मरता नहीं है। उन्होंने बताया कि 10 पौधे एक व्यक्ति को दिए जायेंगे और उनकी जिम्मेदारी रहेगी ये पेड़ लगाना है और उनका रखरखाव करना है। दो माह बाद समिति उनका निरीक्षण करेगी। यदि पेड़ों को अच्छे से रखा है तो एक स्टील की प्लेट दी जाएगी जिसमें वृक्ष मित्र का नाम लिखा होगा। 10 पेड़ों को जमीन पर नहीं लगाना है इनको गमले या डिब्बे में लगाना है और इनको बड़ा होने दीजिए। छह माह बाद इनको जमीन पर लगाया जाएगा। दो साल तक हर छह माह में समिति द्वारा सर्वे किया जाएगा जिसमें पेड़ की स्थिति की जांच होगी। इसी आधार पर जिनके सबसे अच्छे पेड़ हैं उनको 21 दिसंबर 2025 को सम्मान समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा। जिसमें प्रथम पुरस्कार फ्रिज, द्वितीय पुरस्कार टीवी, तृतीय पुरस्कार आटा चक्की, चतुर्थ पुरस्कार मिक्सी (25 संख्या), पंचम पुरस्कार मिल्टन बाटल (50 संख्या), सांत्वना पुरस्कार लंच बाक्स (50 संख्या) रहेगा। हालाकि यह पुरस्कार बहुत छोटे हैं लेकिन ऐसे प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न करना है।

मार्गदर्शक हरगोविंद विश्व ने नीम के फायदे बताते हुए कहा कि नीम का पेड़ बहुत गुणकारी है। इसकी पत्तियां, फल और छाल से तरह-तरह की दवाइयां बनती हैं। नीम की दातून दांतों को स्वस्थ्य रखती है। सुबह उठकर नीम का सेवन करना चाहिए।

विचार समिति सदस्य हाकम सिंह लोधी ने बताया कि एक वृक्ष 10 पुत्र के समान है। इस पौधे को तैयार करने के लिए पहले देशी खाद से मिट्टी तैयार की फिर बीज डालने के बाद पानी दिया और तीन माह की देखरेख से यह पौधा दो फुट का तैयार हो गया।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, विनय मलैया, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैया, राजकुमार नामदेव, शफीक भाई ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर प्रीति मलैया, दीप्ति चंदेरिया, कौशल पहलवान, विनय जैन, नीलेश जैन, एड. रश्मि ऋतु जैन, अनीता जैन, क्षमा जैन, नवीन सोनकर, आलोक जैन, ममता अहिरवार, नीलू सागर, संगीता प्रजापति, अंजली पटैल, सुषमा पटैल, अरविंद जैन, अरूण सिंघई, ममता पटैल आदि उपस्थित थीं।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION
PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING®

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship
Preparation–Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

भारत विकास परिषद
Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is Us!
i2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

| VICHAR SAMITI | powered by: danamojo

cfpay.dmvicharsamiti@icici

UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर